

प्रश्नपत्र निर्माण कार्यशाला संपन्न



डायट में कार्यशाला के समापन पर मौजूद शिक्षक। संवाद

बड़कोट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में परख सर्वेक्षण के तहत दक्षता आधारित प्रश्नपत्र निर्माण को लेकर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला संपन्न हो गई। इसमें जनपद के विभिन्न विकासखंडों के 30 विषय विशेषज्ञ शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में गणित, हिंदी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और ईवीएस विषयों के प्रश्नपत्र तैयार किए गए। प्रश्नपत्रों में विद्यार्थियों की विषयगत समझ, तार्किक चिंतन, समस्या समाधान क्षमता और अधिगम स्तर के आकलन पर विशेष ध्यान दिया गया। समापन अवसर पर डायट प्राचार्य संजीव जोशी ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रभावी आकलन और गतिविधि आधारित शिक्षण जरूरी है। कार्यशाला समन्वयक बृजेश कुमार मिश्रा ने कार्यशाला में हुई गतिविधियों और प्रश्नपत्र निर्माण की जानकारी दी। संवाद

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर दिया जोर

बड़कोट : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) बड़कोट में परख सर्वेक्षण के अनुरूप विद्यार्थियों के अधिगम स्तर के आकलन के लिए आयोजित पांच दिवसीय दक्षता आधारित प्रश्नपत्र निर्माण कार्यशाला संपन्न हो गई। कार्यशाला में उत्तरकाशी जनपद के विभिन्न विकासखंडों से आए 30 विषय विशेषज्ञ शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार पर जोर दिया गया।

कार्यशाला में गणित, हिंदी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और ईवीएस विषयों के दक्षता आधारित प्रश्नपत्र तैयार किए गए। इसमें विद्यार्थियों की विषयगत समझ, तार्किक चिंतन, समस्या समाधान क्षमता और अधिगम स्तर के प्रभावी आकलन पर विशेष ध्यान दिया गया।

डायट के प्राचार्य संजीव जोशी ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर जोर दिया। कार्यशाला समन्वयक बृजेश कुमार मिश्रा ने कार्यशाला के दौरान आयोजित गतिविधियों, विभिन्न विषयों में प्रश्नपत्र निर्माण और चर्चा के प्रमुख बिंदुओं की जानकारी प्राचार्य को दी। (संसू)

परख सर्वेक्षण आधारित दक्षता संवर्धन कार्यशाला

अमर हिन्दुस्तान

बड़कोट। उत्तरकाशी जनपद के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) बड़कोट में परख सर्वेक्षण का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में गणित, हिंदी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं ईवीएस विषयों के दक्षता आधारित प्रश्नपत्र निर्माण हेतु आयोजित कार्यशाला का समापन सोमवार को किया गया। कार्यशाला में जनपद के विभिन्न ब्लॉकों से 30 विषय विशेषज्ञ शिक्षकों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों की दक्षता, समझ, तार्किक चिंतन, समस्या समाधान क्षमता तथा अधिगम स्तर के आकलन को ध्यान में रखते हुए दक्षता आधारित प्रश्नपत्रों का निर्माण किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य परख सर्वेक्षण की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रश्नपत्र निर्माण की समझ विकसित करना तथा विद्यार्थियों के



वास्तविक अधिगम स्तर का प्रभावी आकलन सुनिश्चित करना रहा। समापन के दौरान प्राचार्य श्री संजीव जोशी ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं प्रभावी आकलन आवश्यक हैं। उन्होंने शिक्षण प्रक्रिया को अधिक रुचिकर, प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण को अपनाने पर भी जोर दिया गया। कार्यशाला के समन्वयक बृजेश कुमार मिश्रा रहे।